प्रेस-विज्ञप्ति

कोविड-19 महामारी को मुंहतोड़ जबाव हेतु 'इंडिया साइकिल्स फॉर चेंज चैलेंज' के माध्यम से

दीव स्मार्ट सिटी मिशन द्वारा साइकिल उपयोग को बढ़ावा देने के लिए किया जाएगा प्रोत्साहित

दीव 6 अगस्त, 2020 : भारत सरकार के आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय के अंतर्गत स्मार्ट सिटी मिशन के तहत कई राज्यों एवं संघ प्रदेशों में साइकिल उपयोग को बढ़ावा देने की दिशा में कार्य चल रहा है। इसके लिए मंत्रालय द्वारा "इंडिया साइकिल्स फॉर चेंज चैलेंज" प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है, ताकि बड़े पैमाने पर लोगों को साइकिल आंदोलन से जोड़ा जा सके। इसका मूल उद्देश्य इसके माध्यम से लोगों को साइकिल चलाने को लेकर प्रोत्साहित किया जाना है, जिससे लोगों को लास्ट माइल कनेक्टविटी के साथ-साथ कम दूरी के लिए सस्ती और प्रदूषण मुक्त परिवहन सेवा उपलब्ध होगी। दरअसल भारत सरकार ने इंडिया साइकिल फॉर चेंज की पहल कोविड-19 के जवाब में नागरिकों को साइकिल-फ्रैंडली बनाने के लिये की है, जिसका उद्देश्य शहरों को प्रेरित करना और लोगों का समर्थन जुटाना भी है। इसका मूल उद्देश्य स्मार्ट सिटी में साइकिल के माध्यम से यातायात को सुरक्षित, प्रदूषण मुक्त बनाना और यातायात के आसान साधन मुहैया कराना है।

भारत सरकार के इस विजन को अमलीजामा पहनाने की दिशा में दीव नगरपालिका परिषद ने स्मार्ट सिटी मिशन के तहत दीव में साइकिल के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए लोगों को प्रोत्साहित करने की अपील की है। इसके तहत दीववासियों को साइकिल का अधिक-से-अधिक उपयोग करने की सलाह दी है। वैश्विक महामारी कोरोना से निपटने के लिए दीव नगरपालिका परिषद ने लोगों को कम दूरी तक यात्रा करने हेतु साइकिल के उपयोग के लिए प्रेरित किया है। इससे एक ओर जहां सार्वजनिक यातायात के साधनों में सोशल डिस्टेंसिंग की समस्या से निजात मिलेगी, वहीं पर्यावरण और शारीरिक व्यायाम की दृष्टिकोण से भी यह पहल हितकर साबित होगा।

दीव के उप-समाहर्ता एवं दीव नगरपालिका परिषद के मुख्य अधिकारी श्री हरमिंदर सिंह ने दीववासियों से अपील की है कि वे बाइक और कार आदि वाहनों के उपयोग को दरकिनार करते हुए अधिक से अधिक साइकिल उपयोग का प्रचार-प्रसार करें और इससे होनेवाले पर्यावरण क्रांति में अपनी सहभागिता दें। उन्होंने कहा कि साइकिल हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का अभिन्न हिस्सा बने, ऐसा प्रयास हमें करना है। यह समाज के सभी वर्गों के लिए एक स्थायी विकल्प के रूप में हो, जिसमें अमीर, मध्यम, गरीब वर्ग के साथ-साथ बच्चे, पुरूष और महिलाएं सब समान रूप से शामिल हों।

अगर पर्यावरणविदों की मानें तो साइकिल प्रयोग से हमारी मांसपेशियों और रक्तकणिकाओं में किसी भी प्रकार के रोग से लड़ने की प्रतिरोधक क्षमता का विकास होता है, साथ ही इससे रक्तचाप को नियंत्रित करने में भी मदद मिलती है। साइकिल यातायात का पारंपरिक साधन है। यह हमारे पर्यावरण को शुद्ध और रोगरहित रखने में मददगार एवं सक्षम है। आज की युवा पीढ़ी अगर इसके हितों को

जानते हुए इसका प्रयोग करे, तो निश्चय ही यह यातायात का आरामदायक, लाभप्रद एवं सस्ता साधन साबित होगा। दीव नगरपालिका परिषद इस संदर्भ में विशेषज्ञों की राय भी ले रहा है कि किस प्रकार साइकिल चलाने वाले लोगों के लिए सड़कों पर सुरक्षित माहौल प्रदान किया जा सके। स्मार्ट सिटी की परियोजनाओं में दीव में साइकिलिंग ट्रैक बनाने के लिए भी प्रावधान किये गये हैं। इससे दीव में साइकिल उपयोग को बढ़ावा देने की दिशा में नया बल मिलेगा और पुन: नैसर्गिक पैट्रोलियम पदार्थों के उपयोग पर भी लगाम लग सकेगी।